

पञ्चमः पाठः

पण्डिता रमाबाई



स्त्रीशिक्षाक्षेत्रे अग्रगण्या पण्डिता रमाबाई 1858 तमे ख्रिष्टाब्दे जन्म अलभत। तस्याः पिता अनन्तशास्त्री डोंगरे माता च लक्ष्मीबाई आस्ताम्। तस्मिन् काले स्त्रीशिक्षायाः स्थितिः चिन्तनीया आसीत्। स्त्रीणां कृते संस्कृतशिक्षणं प्रायः प्रचिलतं नासीत्। किन्तु डोंगरे रूढिबद्धां धारणां परित्यज्य स्वपत्नीं संस्कृतमध्यापयत्। एतदर्थं सः समाजस्य प्रतारणाम् अपि असहत। अनन्तरं रमा अपि स्वमातुः संस्कृतशिक्षां प्राप्तवती।

कालक्रमेण रमायाः पिता विपन्नः सञ्जातः। तस्याः पितरौ ज्येष्ठा भगिनी च दुर्भिक्षपीडिताः दिवङ्गताः। तदनन्तरं रमा स्व-ज्येष्ठभ्रात्रा सह पद्भ्यां समग्रं भारतम् अभ्रमत्। भ्रमणक्रमे सा कोलकातां प्राप्ता। संस्कृतवैदुष्येण सा तत्र 'पण्डिता' 'सरस्वती' चेति उपाधिभ्यां विभूषिता। तत्रैव सा ब्रह्मसमाजेन प्रभाविता वेदाध्ययनम् अकरोत्। पश्चात् सा स्त्रीणां कृते वेदादीनां शास्त्राणां शिक्षायै आन्दोलनं प्रारब्धवती।

1880 तमे ख्रिष्टाब्दे सा विपिनबिहारीदासेन सह बाकीपुर-न्यायालये विवाहम् अकरोत्। सार्धेकवर्षात् अनन्तरं तस्या: पित: दिवङ्गत:।

तदनन्तरं सा पुत्र्या मनोरमया सह जन्मभूमिं महाराष्ट्रं प्रत्यागच्छत्। नारीणां सम्मानाय शिक्षायै च सा स्वकीयं जीवनम् अर्पितवती। हण्टर-शिक्षा-आयोगस्य समक्षं नारीशिक्षाविषये सा स्वमतं प्रस्तुतवती। सा उच्चशिक्षार्थम् इंग्लैण्डदेशं गतवती। तत्र ईसाईधर्मस्य स्त्रीविषयकै: उत्तमविचारै: प्रभाविता जाता।

रुचिरा - द्वितीयो भागः

इंग्लैण्डदेशात् रमाबाई अमरीकादेशम् अगच्छत्। तत्र सा भारतस्य विधवास्त्रीणां सहायतार्थम् अर्थसञ्चयम् अकरोत्। भारतं प्रत्यागत्य मुम्बईनगरे सा 'शारदा-सदनम्' अस्थापयत्। अस्मिन् आश्रमे निस्सहायाः स्त्रियः निवसन्ति स्म। तत्र स्त्रियः

मुद्रण-टङ्कण- काष्ठकलादीनाञ्च प्रशिक्षणमपि लभन्ते स्म। परम् इदं सदनं पुणेनगरे स्थानान्तरितं जातम्। ततः पुणेनगरस्य समीपे केडगाँव- स्थाने 'मुक्तिमिशन' नाम संस्थानं तया स्थापितम्। अत्र अधुना अपि निराश्रिताः स्थित्वनं यापयन्ति।



1922 तमे ख्रिष्टाब्दे रमाबाई-महोदयायाः निधनम् अभवत्। सा देश-विदेशानाम् अनेकासु भाषासु निपुणा आसीत्। समाजसेवायाः अतिरिक्तं लेखनक्षेत्रे अपि तस्याः महत्त्वपूर्णम् अवदानम् अस्ति। 'स्त्रीधर्मनीति' 'हाई कास्ट हिन्दू विमेन' इति तस्याः प्रसिद्धं रचनाद्वयं वर्तते।

🛶 शब्दार्थाः 🔶

| परित्यज्य | - छोड़कर | giving up |
|------------|------------|-----------|
| अध्यापयत् | - पढा़्या | taught |
| प्रतारणाम् | - ताड़ना | torture |
| असहत | - सहन किया | endured |

26

| March Land Hall do | III le di | Marie Williams and the confidence of the | HILLERING STREET, STRE | |
|--------------------|-----------|--|--|--|
| स्वमातुः | - | अपनी माता से | from her own mother | |
| विपन्नः | - | निर्धन | poor | |
| दुर्भिक्षपीडिताः | - | अकाल पीड़ित | victims of famine | |
| दिवङ्गता: | - | मृत्यु को प्राप्त हो गए | died | |
| उपाधिभ्याम् | - | उपाधियों से | with honourary titles | |
| प्रारब्धवती | _ | आरम्भ किया | initiated | |
| सार्धेकवर्षात् | - | डेढ़ वर्ष | one and half year | |
| प्रत्यागच्छत् | | लौट आई | returned | |
| (प्रति+आगच्छत्) | | | | |
| अर्थसञ्चयम् | - | धन सञ्चय | accumulation of wealth | |
| प्रत्यागत्य | - | लौटकर | returning | |
| (प्रति+आगत्य) | | | | |
| मुद्रणम् | | छपाई | printing | |
| टङ्कणम् | -0 | टङ्कण | typing | |
| निराश्रिताः 💎 – | | बेसहारा | helpless | |
| (निर्+आश्रिताः) | | | | |
| यापयन्ति | - | बिताते/बिताती हैं | spend | |
| अवदानम् | - | योगदान | contribution | |
| | | | A O | |

27



1. एकपदेन उत्तरत-

- (क) 'पण्डिता' 'सरस्वती' इति उपाधिभ्यां का विभूषिता?
- (ख) रमा कुत: संस्कृतशिक्षां प्राप्तवती?
- (ग) रमाबाई केन सह विवाहम् अकरोत्?
- (घ) कासां शिक्षायै रमाबाई स्वकीयं जीवनम् अर्पितवती?
- (ङ) रमाबाई उच्चशिक्षार्थं कुत्र अगच्छत्?

2. रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत-

- (क) रमाया: पिता समाजस्य प्रतारणाम् असहत।
- (ख) पत्युः मरणानन्तरं रमाबाई महाराष्ट्रं प्रत्यागच्छत्।
- (ग) रमाबाई मुम्बईनगरे 'शारदा-सदनम्' अस्थापयत्।
- (घ) 1922 तमे ख्रिष्टाब्दे रमाबाई-महोदयाया: निधनम् अभवत्।
- (ङ) स्त्रिय: शिक्षां लभन्ते स्म।

3. प्रश्नानामुत्तराणि लिखत-

- (क) रमाबाई किमर्थम् आन्दोलनं प्रारब्धवती?
- (ख) नि:सहाया: स्त्रिय: आश्रमे किं किं लभन्ते स्म?
- (ग) कस्मिन् विषये रमाबाई-महोदयाया: योगदानम् अस्ति?
- (घ) केन रचनाद्वयेन रमाबाई प्रशंसिता वर्तते?

4. अधोलिखितानां पदानां निर्देशानुसारं पदपरिचयं लिखत-

| | पदानि | मूलशब्द: | लिङ्गम् | विभक्तिः | वचनम् |
|------|----------|----------|--------------|----------|----------|
| यथा- | वेदानाम् | वेद | पुँल्लिङ्गम् | षष्ठी | बहुवचनम् |
| | पिता | ••••• | ••••• | ••••• | ••••• |
| | शिक्षायै | ••••• | ••••• | ••••• | ••••• |
| | कन्याः | ••••• | ••••• | ••••• | •••••• |
| | नारीणाम् | ••••• | ••••• | ••••• | ••••• |
| | मनोरमया | ••••• | ••••• | •••• | ••••• |

5. अधोलिखितानां धातूनां लकारं पुरुषं वचनञ्च लिखत-

| | धातुः | लकार: | पुरुष: | वचनम् |
|------------|-------------|-------|---|---------------|
| यथा- आसीत् | अस् | लङ् | प्रथमपुरुष: | एकवचनम् |
| कुर्वन्ति | *********** | ••••• | *********** | ************* |
| आगच्छत् | ••••• | ••••• | ••••• | ••••• |
| निवसन्ति | ••••• | ••••• | *************************************** | ••••• |
| गमिष्यति | | ••••• | ************* | ••••• |
| अकरोत् | ••••• | ••••• | ************ | ••••• |

6. अधोलिखितानि वाक्यानि घटनाक्रमानुसारं लिखत-

- (क) रमाबाई-महोदयाया: विपिनबिहारीदासेन सह विवाह: अभवत्।
- (ख) 1858 तमे ख्रिष्टाब्दे रमाबाई जन्म अलभत।
- (ग) सा उच्चशिक्षार्थम् इंग्लैण्डदेशं गतवती।
- (घ) 1922 तमे ख्रिष्टाब्दे रमाबाई-महोदयाया: निधनम् अभवत्।
- (ङ) सा मुम्बईनगरे शारदा-सदनम् अस्थापयत्।
- (च) सा स्वमातुः संस्कृतशिक्षां प्राप्तवती।